94 हजार विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए मिलेंगे 25-25 हजार रुपए

आदेश जारी कर पात्र विद्यार्थियों के बैंक खाते को अपडेट करने के निर्देश

सच प्रतिनिधि || भोपाल

मध्य प्रदेश में 94 हजार विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए 25-25 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। इस बार माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 12वीं की परीक्षा का परिणाम पिछले साल से बेहतर है। इस कारण 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों की संख्या करीब चार हजार बढ़ गई है। पिछले साल 90 हजार विद्यार्थियों को लैपटॉप की राशि दी गई थी।

स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से माशिमं से विद्यार्थियों की संख्या मांगी गई थी। मंडल ने 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों की संख्या और नाम की सूची भेज दिया है। उधर, लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) को आदेश जारी कर पात्र विद्यार्थियों के बैंक खाते को अपडेट करने के निर्देश दिए हैं।

एक सप्ताह के अंदर करवाना है शिक्षा पोर्टल पर नाम दर्ज

इसमें पात्र विद्यार्थियों के नाम से संचालित बचत बैंक खाता क्रमांक, आईएफसी कोड और बैंक शाखा का नाम एक सप्ताह के अंदर शिक्षा पोर्टल पर दर्ज करवाना है। प्रदेश में मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के तहत मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल से 12वीं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए 25-25 हजार रुपए की राशि दी जाती है। इस बार माशिमं की 12वीं की परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 94 हजार के आसपास है। पिछले सत्र के मेधावी विद्यार्थियों को इस साल फरवरी में लैपटॉप की राशि दी गई थी। इस बार सरकार का प्रयास है कि जुलाई तक विद्यार्थियों को लैपटॉप की राशि प्रदान कर दी जाए।

अवधपुरी तिराहे पर शाम होते ही लगने लगता है ट्रैफिक जाम

भोपाल। अवधपुरी तिराहे पर शाम के समय आए दिन घिरवेकानंद स्कूल की तरफ रोड पर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। जिसका मूल कारण रोड किनारे अवैध रूप से ठेला एवं गोमती लगा कर अलग अलग बेचारदी के ड्रिंक, फास्ट फूड, अंडे, बिरयानी इत्यादि के व्यापार का अड्डा बना लिया गया है। जहां पर राहगीर तथा कालोनीवासी खाने पीने का लुत्फ उठाने के लिए रोड पर कार एवं मोटरसाइकल खड़ी कर देते हैं। जिससे आवागमन बाधित होता है तथा दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती हैं। इसी तरह अपोजिट रोड पर मन्दिर किनारे मोड के पास रोड पर अवैध रूप से भार बहक गाडि?ां तथा पिकअप खड़े रहते हैं जो कि वातावात को बाधित करते हैं। नगर निगम के अधिकारी हाथ पर हाथ रख कर बैठे रह जाते हैं क्योंकि उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। इस सारे अतिक्रमण का कार्य क्षेत्र मेल नगर प्रशासन के अधीन आता है।

तीन दिवसीय कृषि उद्योग समागम नरसिंहपुर में कल से

भोपाल। कृषि एवं उद्यानिकी क्षेत्र में नवाचार, तकनीकी उन्नयन और कृषक कल्याण को समर्पित तीन दिवसीय 'कृषि उद्योग समागम 26 से 28 मई तक कृषि उपज मंडी के पास नरसिंहपुर में भव्य आयोजन होगा। समागम का शुभारंभ उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ करेंगे। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित मंत्रीगण, कृषि उद्यमी, निर्यातक समूह के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में किसान भाई शामिल होंगे। कृषि उद्योग समागम 2025 का आयोजन मध्यप्रदेश में कृषि एवं उद्यानिकी पर आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने, खाद्य प्रसंस्करण में निवेश आकर्षित करने और किसानों को बेहतर बाजार से जोड़ने के लिए किया जा रहा है। यह समागम उद्योगपतियों, कृषक उत्पादक संगठनों एवं नीति निर्माताओं के बीच संवाद, नीति प्रस्तुति एवं सहयोग के अवसर प्रदान करेगा। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, खेती को लाभकारी बनाने की दिशा में हरसंभव प्रयास कर रही है। मध्यप्रदेश का किसान सम्पन्न होगा तो प्रदेश और देश भी समृद्ध होगा। राज्य सरकार युवा, महिला और किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

सेना के सम्मान में निकाली तिरंगा यात्रा

भोपाल। नरेला विधानसभा में नेहरू स्कूल चौराहा पर कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग की उपस्थिति में ऑपरेशन सिंदूर के सफलता के अंतर्गत सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाला गया है इस मौके पर जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, महापौर मालती राय सहित जनप्रतिनिधिगण, पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शनि शांति के लिए तिल के तेल से हुआ बटेश्वर का रूद्राभिषेक

भोपाल। श्री बड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति द्वारा शनि प्रदोष के अवसर पर बाबा बटेश्वर का तिल के तेल, पिसी हुई काली तिल, पंचामृत भस्म एवं विजया से रूद्राभिषेक कर शनि ग्रह से परेशान जातकों के लिए शनि शांति की प्रार्थना की। समिति के संजय अग्रवाल एवं प्रमोद नेमा ने बताया की मंदिर में बड़ी संख्या में अपनी कुंडली में शनि दोष से परेशान भक्तजनों ने शनि शांति के लिए प्रदोष काल में रूद्राभिषेक किया साथ ही आम भक्तजनों ने काले तिल एवं अपराजिता के नीले पुष्प चढ़ाकर शनि शांति के लिए भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की। सांयकाल बाबा बटेश्वर का चंदन, विभिन्न प्रकार के पुष्प एवं रत्नों से दिव्य श्रृंगार कर रात्रि 10 बजे महाआरती की गई।

शहर के पांच स्थानों पर रामवन पद्धति से जंगल तैयार कर रहा राम आस्था मिशन

सच प्रतिनिधि || भोपाल

पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन की दिशा में काम कर रही राम आस्था मिशन फाउंडेशन शहर में पांच अलग-अलग स्थानों पर जंगल तैयार करेगा। फाउंडेशन यह कार्य जिला प्रशासन भोपाल और नगर निगम भोपाल के सहयोग से कर रहा है। यह जंगल रामवन पद्धति से तैयार किये जा रहे हैं। इनमें स्थानीय प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। जिनमें 116 पौधे स्थानीय प्रजाती और 3 लाख फल, औषधि और विभिन्न प्रकार के फूलों से जुड़े पौधे शामिल हैं। फाउंडेशन के प्रमुख तन्मय जैन ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा इन सबभी चयनित स्थानों पर 22 तरह के प्रजातियों के फल, 16 प्रजातियों के फूल, 20 औषधीय पौधे, झाड़ी, कांटा, घास, क्रीपर आदि लगाकर इन जंगलों को तैयार करेगा। यह सभी जंगल 30 जुलाई तक तैयार किये जाने का लक्ष्य है।

जिला प्रशासन के सहयोग से हो रहे इस कार्य में लगाये जाएंगे कुल 3 लाख पौधे

इन पांच स्थानों पर तैयार हो रहे जंगल

राम आस्था मिशन फाउंडेशन के प्रमुख तन्मय जैन ने बताया कि मिशन द्वारा भोपाल जिले के 5 स्थानों बने जंगल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसमें भोपाल एयरपोर्ट क्षेत्र कलियासोत, केरवा डेम, बैरसिया की ग्राम पंचायत बरौंडोड़ा, कोलासी घाट एवं सूखी सेढ़निया की गौशालाओं के स्थान का चिन्हांकन किया गया है।

क्या है रामवन पद्धति की खासियत

तन्मय ने बताया कि रामवन पद्धति तकनीक एक छोटी सी जगह में जंगल उगाने का तरीका है। इसमें जंगल को खास प्रक्रिया के जरिए उगाया जाता है, ताकि वे हमेशा हरे-भरे रहें। इस तकनीक से पौधे लगाने के लिए सबसे पहले उस जगह की आबोहवा के अनुसार पौधों का चयन किया जाता है। अगर बीज के जरिए पौधे उगाकर वहां पर लगाने की कोशिश की जा रही है तो ध्यान रखना होगा कि उन्हें उसी मिट्टी में पहले नर्सरी में उगाया गया हो। फिर उसे उस जगह लगाया जाए जहां जंगल को विकसित करना चाहते हैं। फाउंडेशन के सदस्य कर्नल हेमंत दयाधड़ रहते हैं कि जिस जगह पर पौधे लगाये जाने हैं। उसके लिए विशेष रूप से मिट्टी में समझान वाटी की राख,भोपाल शहर का हरा कचड़ा, तालाबों की जलकुंभी, लकड़ी का बुरादा आदि को मिलाकर खाद तैयार किया जाता है। इससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और पौधे जल्दी विकसित होते हैं। इन जंगलों को मात्र 10 प्रतिशत पानी के उपयोग से विकसित किया जायेगा। पौधों को तीन लेयर में रखा जाता है। तीन तरह के पौधे लगाए जाते हैं। इनमें झाड़ीनुमा, फिर मध्यम आकार के पौधे और मध्यम से थोड़े बड़े पौधे लगाए जाते हैं। पौधों को लगाने के बाद जमीन पर घास और टूटी हुई पत्तियां डाली जाती हैं। ये सूरज की तेज धूप से खत्म होने वाली नमी को रोकता है जिससे पौधे हरे-भरे बने रहते हैं।

लगातार चल रहा थी व्यावसायिक गतिविधियां

पठानी खेल मैदान पर भेल प्रशासन ने कराई तार फेंसिंग

सच प्रतिनिधि || भोपाल

बीएचईएल ने बरखेड़ा पठानी स्थित खेल मैदान को अपने कब्जे में लेते हुए उसके चारों ओर से तार फेंसिंग करा दी है।

इससे पहले भी बीएचईएल ने ग्राउंड पर अपना बोर्ड लगा रखा था, लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों ने इस बोर्ड को उखाड़ फेंका और यहां अवैध तौर पर शादी ब्याह, मेला, क्रिकेट खेल आदि माध्यम से इसका कमर्शियल उपयोग किया जा रहा था,लेकिन बीएचईएल को इसका कोई भी लाभ नहीं मिलता था, जबकि आए दिन यहां आयोजन होते है। ऐसे में भेल नगर प्रशासन विभाग ने ने इस पर रोक लगाने के लिए ग्राउंड के चारों ओर तार फेंसिंग करा दी है। गौरतलब है कि भेल क्षेत्र में और ऐसे कई पार्क और खेल मैदान, ओपेन स्पेस है, जहां या तो लोगों का कब्जा है या फिफ किसी न किसी बहाने से उन खाली जगहों पर कब्जा किया जा रहा है। ऐसे में भेल को इस पर संज्ञान लेते हुए अपनी खाली पड़ी जमीन पर तत्काल हो रहे कब्जों को रोक लगाते हुए उसे व्यवस्थित करना होगा। साथ ही जहां कब्जा किया जा रहा है या हो चुका है उसे खाली करना होगा, तभी भेल की जमीन बच पाएगी। सूत्रों की माने तो इन कब्जों के पीछे भेल के ही कुछ अधिकारियों, कर्मचारियों का हाथ होना माना जा रहा है।

भोपाल में होगा 21वां वर्ल्ड रोज कंवेन्शन-2028

सच प्रतिनिधि || भोपाल

वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज सोसायटीज द्वारा 21वां वर्ल्ड रोज कंवेन्शन 2028 में भोपाल में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में दुनिया भर के 700 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। अपनी ड्रीलों और उद्यानों की सुरम्य पृष्ठभूमि के साथ भोपाल थीमैटिक गार्डन, तकनीकी सत्रों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और राज्य भर में पर्यटन अनुभवों के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करेगा।

जापान के फुकुयामा शहर में आयोजित हुए 20वें वर्ल्ड रोज कन्वेंशन में इसकी आधिकारिक घोषणा हुई। जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड (एमपीटीबी) ने किया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने किया। समारोह में वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज सोसायटीज के नए अध्यक्ष सुशील प्रकाश बनाए गए। वे पहले भारतीय हैं जो डब्ल्यूएफआरएस के अध्यक्ष के रूप में चुने गए हैं। इस अवसर पर जापान के फुकुओका शहर में इंडियन कौंसल जनरल रामकुमार के साथ एमपीटीबी के डिप्टी डायरेक्टर विवेक जूड, ट्रेवल इंडिया टूर्स के महेंद्र प्रताप सिंह और मध्यप्रदेश रोज सोसायटी के 14 सदस्य उपस्थित थे। कंवेन्शन के समापन समारोह में प्रमुख सचिव श्री शुक्ला को डब्ल्यूएफआरसी द्वारा आतिथ्य का अधिकार प्रदान करते हुए सम्मान पूर्वक ध्वज सौंपा गया। समारोह में ऑस्ट्रेलिया, जापान, फिनलैंड, यूनाइटेड किंगडम, यूरोप, दक्षिण कोरिया और कई अन्य देशों के 500 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। राज्यपाल मंगुभाई पटेल मध्यप्रदेश रोज सोसायटी के मुख्य संरक्षक हैं। प्रमुख सचिव शुक्ला ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अतुलनीय और अद्भुत मध्यप्रदेश में 21वें वर्ल्ड रोज कंवेन्शन के आतिथ्य का अवसर प्राप्त करना हमारे लिए गर्व का विषय है। मध्यप्रदेश अपनी सांस्कृतिक विरासत, धरोहर और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विश्व में पहचाना जाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के सभी गुलाब प्रेमियों और आगंतुकों का हृदय प्रदेश में हृदय से स्वागत करते हैं।

700 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय अतिथि होंगे सम्मिलित

बीएचईएल थर्मल आधारित प्रोजेक्टों को तैयार करने की दिशा में तेजी से बढ़ा रहा कदम

सच प्रतिनिधि || भोपाल

भारत सरकार के सार्वजनिक उपक्रम बीएचईएल की मदर यूनिट ने जहां विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में अपनी साख को बरकरार बनाए हुए है। वहीं भेल नित नए आधुनिक तकनीक से बने उत्पादन खंडों का निर्माण कर रहा है। इन नए ब्लाकों में अत्याधुनिक मशीनें लगाकर उत्पादन कार्य को गति मिल रही है। भेल अब थर्मल आधारित प्रोजेक्ट को तैयार करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इस वित्तीय वर्ष में इस काम को मदर यूनिट द्वारा आगे बढ़ाया जाएगा। देश में थर्मल के क्षेत्र में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपनी कार्ययोजना को अंतिम रूप देने में जुटा है। वहीं 1200 केव्ही ट्रांसफार्मर के साथ ही अन्य क्षेत्र में भी भेल ऊंचाईयां छू रहा है। भेल भोपाल इकाई द्वारा देश में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए ट्रांसफार्मर और इलेक्ट्रिक मोटर के क्षेत्र में बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। इन ब्लाकों में मशीनों को एक खास वातावरण में रखा जाता है, जिससे उनकी गुणवत्ता कायम बनी रहती है और काम को गति मिल रही है।

इलेक्ट्रिक मोटर और ट्रांसफार्मर की देश-विदेश में मांग

बताया जाता है कि बीएचईएल भोपाल इकाई में एक वर्ष के दौरान तीन नए ब्लाकों का निर्माण कार्य शिया गया है। इन ब्लाकों में जब काम शुरू हुआ तो उत्पादन लक्ष्य को भी गति मिली। यहां बनने वाले इलेक्ट्रिक मोटर और ट्रांसफार्मर की मांग देश में नही बल्कि विदेश में भी होती है। भेल भोपाल यूनिट में न्यू ट्रांसफार्मर ब्लाक, इलेक्ट्रिक मोटर के साथ ही प्रेस शॉप विभाग के समीप एक अन्य ब्लाक का निर्माण कार्य हुआ है। बन रहे बड़े ट्रांसफार्मर न्यू ट्रांसफार्मर ब्लाक में बड़े-बड़े ट्रांसफार्मर बनाए जा रहे हैं। वर्तमान समय में देश में बड़े ट्रांसफार्मर और इलेक्ट्रिक मोटर की मांग लगातार बढ़ रही है। भेल द्वारा निर्मित किए जाने वाली मोटर भारतीय रेलवे के साथ ही विदेशों में सप्लाई की जा रही है। भेल भोपाल इकाई द्वारा भविष्य में बढ़ती बिजली की मांग को देखते हुए तीन नए ब्लाकों का काम कराया गया।

विश्व स्तरीय आधुनिक तकनीक पर हो रहा अमल

न्यू ट्रांसफार्मर ब्लाक में उत्पादन में भी कार्य किया जा गया है। इन ब्लाकों से भेल के वार्षिक लक्ष्य में इस वर्ष बढ़ोत्तरी होगी। भेल प्रबंधन द्वारा विश्व की आधुनिक तकनीकी पर अमल किया जा रहा है। युवा इंजीनियरों के कंधे पर जिम्मेदारी भेल भोपाल यूनिट में करीब 1 हजार से ज्यादा से युवा कर्मचारी हैं जो अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं। यहां 400 से ज्यादा इंजीनियरों को अपनी योग्यता के आधार पर प्रमुख ब्लाकों में जिम्मेदारी सौंपी गई है। बताया जाता है आधुनिक तकनीकी को बढ़ाने के लिए कंपनी का फोकस इस पर ज्यादा दिखाई दे रहा है। मदर इकाई में महाप्रबंधक स्तर के अफसरों द्वारा उत्पादन लक्ष्य को लेकर टीम बनाई गई है।

8000 पेड़ बचाओ अभियान की रणनीति के तहत आंदोलन की रूपरेखा तय

भोपाल। पर्यावरणविद् और बुद्धिजीवियों की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व मंत्री दीपक जोशी, उमाशंकर तिवारी, डॉ.राजीव जैन, शरद सिंह कुमरे, सुयश कुलश्रेष्ठ, अनुराग शर्मा, डॉ.आर. के. रावले, श्याम सुंदर शर्मा, रमेश कुमार और अखिलेश सिंग शामिल हुए। बैठक में निर्णय हुआ कि सभी जन प्रतिनिधियों और प्रशासन को ज्ञापन देना। साथ ही जो एजेंसी रोड निर्माणकार्य कर रही उन एजेंसी से मुलाकात कर चर्चा करना। सोशल मीडिया के प्रत्येक प्लेटफॉर्म पर स्लोगन,नारे और जन आंदोलन संबंधित मटेरियल को प्रेषित करना। साथ ही ट्विटर पर 10000 लोगों को एक साथ ट्वीट करवा कर सभी को जागरुक कर पेड़ बचाओ आंदोलन में शामिल करना। प्रतिनिधि मंडल द्वारा जो ज्ञापन तैयार किया जा रहा है उसे पीएमओ ऑफिस, मुख्यमंत्री ऑफिस और सड़क परिवहन मंत्री गडकरी को ईमेल द्वारा भेजा जाएगा और उनके संज्ञान में लाया जाएगा।साथ ही आगे फिर एक जन आंदोलन रख कर चिपको आंदोलन के माध्यम से रक्षा सूत्र बांधे जाएंगे।

डॉ.राजीव जैन ने कहा कि हमारा विरोध विकास से नहीं है हम भी विकास के साथ है लेकिन विकास को विनाश की तर्ज पर ना करे,अब तो नई नई तकनीकी आ गई है उनका प्रयोग कर सड़क का निर्माण करे जिससे हमारे पेड़ कटने से बच सके। पूर्व मंत्री दीपक जोशी ने कहा कि अभी वर्तमान परिस्थितियों में इस रोड की आवश्यकता ही नहीं है। सुयश कुलश्रेष्ठ ने कहा कि प्रशासन को एक बार जन सुनवाई करना चाहिए और उनके अनुसार आगे की रणनीति बनाना चाहिए। शरद सिंह कुमरे ने बताया कि इन 8000 पेड़ो का कटना मतलब हमारी आने वाली पीढ़ी की सांसे कम करना है।अंत में उमाशंकर तिवारी ने सबका आभार व्यक्त किया,राष्ट्रगान और भारत माता की जय, सांसे हो रही कम, पेड़ लगाए हम के नारों के साथ बैठक का समापन हुआ।

10 जुलाई को रौंपे जाएंगे 10 हजार पौधे दशहरा मैदान पर होगा पौधारोपण अभियान

भोपाल भेल उपनगरी के पर्यावरण को बरकरार रखने के लिए इस वर्ष 10 हजार पौधे रौंपे जाएंगे। इस अभियान का शुभारंभ भेल दशहरा मैदान के चारों ओर पेड़ लगाकर किया जाएगा। भेल नगर प्रशासन विभाग द्वारा व्यापक पौधारोपण की तैयारियां की जा रही है। हरियाली महोत्सव का शुभारंभ भेल कार्यपालक निदेशक डीके ठाकुर द्वारा किया जाएगा। भेल में पिछले दिनों भेल मुखिया द्वारा कर्मचारियों को पर्यावरण सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। भेल काखाने के साथ ही उपनगरी में पर्यावरण संरक्षण हेतु सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जा रहा है इसके लिए भेल के प्रशासनिक भवन में एक साइन बोर्ड रखा गया है। भेल कार्यपालक निदेशक ने कहा कि भोपाल यूनिट में प्रतिवर्ष इस पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते है क्योंकि भारत विश्व पर्यावरण दिवस 2018 का वैश्विक मेजबान है, इसलिए इस वर्ष भेल भोपाल द्वारा भी इसे और जोर-शोर से मनाया जा रहा है। अब बारिश होने के बाद 10 जुलाई से पर्यावरण संरक्षण की पहल की जाएगी। सीआईएसएफ परिसर सिक्युरिटी लाइन क्षेत्र में पौधारोपण किया गया है। इस वर्ष पौधारोपण के लिए पिपलानी क्षेत्र का चयन किया गया है। यहां बड़ी संख्या में रिक्त भूमि पर पौधरोपण किया जाएगा। भेल द्वारा शीशम, गुलमोहर, चांदनी सहित कई छायादार पौधे का रोपण किया जाएगा। भेल द्वारा आयोजित पर्यावरण महोत्सव के लिए 10 जुलाई के बाद पौंधारोपण किया जाएगा, ताकि बड़ी संख्या में स्थानीय लोग हरियाली में अपना योगदान निभा सकें। पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टि से किए जाने वाले इस कार्यक्रम में जनभागीदारी देखने को मिलेगी। भेल उपनगरी हो या कारखाना परिसर हर जगह हरियाली होने से इस क्षेत्र का तापमान अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा कम ही रहता है।

मप्र से विभिन्न राज्यों को जांच तेज करने और स्पेशल एनफोर्समेंट अभियान चलाने के दिए निर्देश

फलों को केमिकल से पकाने और रंगने पर एफएसएसएआई सख्त

सच प्रतिनिधि || भोपाल

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से नॉन-परमिटेड फलों को पकाने वाले एजेंटों और फलों को रंगने और कोटिंग करने के लिए सिंथेटिक रंगों या नॉन-परमिटेड मोम के उपयोग पर रोक लगाने के लिए जांच तेज करने और स्पेशल एनफोर्समेंट अभियान चलाने को कहा है।

एफएसएसएआई ने मध्यप्रदेश सहित सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खाद्य सुरक्षा आयुक्तों और एफएसएसएआई के क्षेत्रीय निदेशकों को निर्देशित किया है कि वे फलों के बाजारों और मंडियों पर कड़ी निगरानी रखें, ताकि कैल्शियम कार्बाइड जैसे एजेंटों का उपयोग करके फलों को पकाने के अवैध प्रयोग को रोका जा सके, जिसे आमतौर पर मसाला के रूप में जाना जाता है। एनफोर्समेंट अभियान के तहत गोदामों और भंडारण सुविधाओं का निरीक्षण किया जा सकता है, खास तौर पर उन गोदामों और भंडारण सुविधाओं का, जहां फलों को पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड जैसे पदार्थों का इस्तेमाल करने का संदेह है। परिसर में या फलों के टोकरे के साथ संग्रहीत कैल्शियम कार्बाइड की मौजूदगी को खाद्य व्यवसाय संचालक के खिलाफ परिस्थितिजन्य साक्ष्य माना जाएगा, जिससे खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है।

फलों को कृत्रिम रूप से पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड का इस्तेमाल सख्त वर्जित

गौरतलब है कि खाद्य सुरक्षा और मानक (बिक्री पर निषेध और प्रतिबंध) विनियम, 2011 के तहत फलों को कृत्रिम रूप से पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड का इस्तेमाल सख्त वर्जित है। इस पदार्थ के इस्तेमाल से गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा होते हैं और यह मुंह के छाले, गैस्ट्रिक तथा कैंसर जैसी घातक बीमारी का कारण बन सकता है। इसके अलावा एफएसएसएआई ने ऐसे मामलों की भी पहचान की है, जहां एफबीओ केले और अन्य फलों को सीधे रसायन में डुबोकर कृत्रिम रूप से पकाने के लिए एथेफॉन के घोल का उपयोग कर रहे हैं। दस्तावेज में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि एथेफॉन का उपयोग केवल एथिलीन गैस उत्पन्न करने के स्रोत के रूप में और निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार ही किया जा सकता है। इस एसओपी में एथिलीन गैस का उपयोग करके कृत्रिम रूप से पकाने के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं का विवरण दिया गया है। एफएसएसएआई ने सभी खाद्य व्यवसाय संचालकों से सुरक्षित और अनुपालन योग्य फल पकाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए इन एसओपी का पालन करने का आग्रह किया है।

फलों के बाजारों और मंडियों पर कड़ी निगरानी रखें